



राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.  
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)



पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन  
पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी  
भोपाल-462016 (म.प्र.)

वेबसाइट-<http://www.mpseiaa.nic.in>

दूरभाषन. - 0755-2466970, 2466859

फैक्सन. - 0755-2462136

No: 366/SEIAA/2025

Date: 24/05/2025

प्रति,

**Shri Sanjay Kumar Jain**

R/o Dhamasia Bhawan, Jawahar Chowk,

Tikamgarh (M.P.)

E-mail - sdhamasia@gmail.com

**विषय :- Proposal No. SIA/MP/MIN/472402/2024- Case No. P2/954/24 Prior Environment Clearance for Stone Mine (Opencast semi mechanized method), in an area of 4.90 ha. for production capacity of 15014 MTPA (Pyrophyllite-14714 MTPA & Diaspore-300 MTPA), Khasra No. 277/1, Village - Gudapali, Tehsil- Palera & District Tikamgarh (M.P.) by Shri Sanjay Kumar Jain R/o Dhamasia Bhawan, Jawahar Chowk, Tikamgarh (M.P.)**

विषयान्तर्गत प्रकरण में राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 763वीं बैठक दिनांक 04.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण अनुमति प्रदान किये जाने की अनुशंसा कर प्रकरण दिनांक 06.06.2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को अग्रेषित किया गया। प्रश्नाधीन प्रकरण SEIAA की बैठक में विचारण नहीं होने के कारण 45 दिवस से अधिक की अवधि समाप्त हो गई है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के पैरा 8 की कंडिका (iii) इस प्रकार है - "In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the Expert Appraisal Committee or State Level Expert Appraisal Committee concerned."

अतः ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार उक्त प्रकरण में SEAC की 763वीं बैठक दिनांक 04.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को अंतिम निर्णय मानते हुए राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा "Deemed Approval" माना जाकर पर्यावरण अनुमति दी जाती है। तदनुसार प्रकरण में ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार आगामी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आप स्वतंत्र हैं।

(प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमोदित)

(श्रीमन् शुक्ला)

कार्यपालन संचालक, एप्को  
एवं सदस्य सचिव, SEIAA



प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली - 110003।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय म.प्र. शासन, मंत्रालय भोपाल (म.प्र.)।
4. अध्यक्ष, SEIAA, एण्डो पर्यावरण परिसर भोपाल (म.प्र.)।
5. अध्यक्ष SEAC, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.)।
6. सदस्य सचिव, SEAC एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल।
7. कलेक्टर, जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)।
8. वन मंडलाधिकारी, जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)।
9. निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड नं. 03, रवि शंकर नगर, भोपाल।
10. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462002।
11. खनिज अधिकारी, जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)।
12. संबंधित फाईल।

की ओर सूचनार्थ।



कार्यपालन संचालक, एण्डो  
एवं सदस्य सचिव, SEIAA



## 763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 जून 2024

30. The environment policy of the company should be framed as per MoEF&CC guidelines and same should be implemented through monitoring cell. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
31. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement.

**13. Case No. P2/954/24 Shri SANJAY JAIN, LEESSEE, SANJAY KUMAR JAIN. DHAMASIA BHAWAN, JAWAHAR CHOWK, TIKAMGARH (M.P.) Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 4.90 ha. Pyrophyllite-14714 MTPA & Diaspore-300 MTPA) (Khasra No. 277/1) Village – Gudapali, Tehsil- Palera & District Tikamgarh (M.P.) B-2 SIA/MP/MIN/472402/2024**

प्रस्तावित खदान बी-2 श्रेणी के अन्तर्गत द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये संबंधित है, जिसमें आज दिनांक 04/06/2024 को परियोजना प्रस्तावक श्री संजय कुमार जैन आ. श्री गुलाब चन्द्र जैन एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार अमर सिंह यादव, एसीरिज इंडायरोटैक इंडिया प्रा.लि. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

### परियोजना विवरण :-

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्री संजय कुमार जैन आ. श्री गुलाब चन्द्र जैन धमासिया भवन, जवाहर चौक, जिला – टीकमगढ़ (म.प्र.)
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	शासकीय – हां – नॉन फॉरेस्ट लैंड Ha. -5.163 संशोधित दिनांक 09/01/2023– 4.900 हे
स्थल	ग्राम गुड़ापाली, तहसील जतारा, जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)
लीज स्वीकृति	खनिज साधन विभाग, मध्य प्रदेश शासन के पत्र क्रमांक F□3-280/85/XII/2 दिनांक 24/06/1986 द्वारा 20 वर्ष हेतु 14/07/1986 से 13/07/2006 तक चूंकि खदान 24/06/1986 से स्वीकृत है अतः वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आदेश दिनांक 12/12/1996 प्रभावी नहीं होता है।
लीज का नवीनीकरण (यदि हो तो )	खनिज साधन विभाग, मध्य प्रदेश शासन के ज्ञापन एफ-19-5-2015/12-1 दिनांक 12/03/2015 द्वारा अवधि 14/07/1986 से 13/07/2036 तक



## 763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 जून 2024

पूर्व स्वीकृत माईनिंग प्लान का वर्ष एवं तत्समय में उत्पादित स्वीकृत क्षमता एवं मात्रा।	वर्ष-2016-17 - 0 वर्ष-2017-18 - 0 वर्ष-2018- 19 - 0 वर्ष-2019-20 - 1791 मीट्रिक टन वर्ष-2020- 21 - 1734 मीट्रिक टन																																																						
संशोधित माईनिंग प्लान का वर्ष, स्वीकृत क्षमता एवं वर्तमान में उत्पादित मात्रा।																																																							
स्वीकृत माईनिंग प्लान / डीएसआर अनुसार कोर्डिनेट्स मिलान की स्थिति	<div>माईनिंग प्लान<table><tr><th>B.P. No.</th><th>Latitude</th><th>Longitude</th></tr><tr><td>BP 1</td><td>24°56'33.07"N</td><td>79° 9'0.24"E</td></tr><tr><td>BP 2</td><td>24°56'34.77"N</td><td>79° 8'57.39"E</td></tr><tr><td>BP 3</td><td>24°56'39.47"N</td><td>79° 9'2.67"E</td></tr><tr><td>BP 4</td><td>24°56'42.18"N</td><td>79° 9'6.42"E</td></tr><tr><td>BP 5</td><td>24°56'42.85"N</td><td>79° 9'9.70"E</td></tr><tr><td>BP 6</td><td>24°56'42.38"N</td><td>79° 9'12.40"E</td></tr><tr><td>BP 7</td><td>24°56'41.46"N</td><td>79° 9'13.30"E</td></tr><tr><td>BP 8</td><td>24°56'38.51"N</td><td>79° 9'8.71"E</td></tr><tr><td>BP 9</td><td>24°56'35.73"N</td><td>79° 9'4.35"E</td></tr></table></div> <div>डीएसआर<table><tr><th>B.P. No.</th><th>Latitude</th><th>Longitude</th></tr><tr><td>BP 1</td><td>24°56'32.21"N</td><td>79° 8'56.89"E</td></tr><tr><td>BP 2</td><td>24°56'40.81"N</td><td>79° 9'05.67"E</td></tr><tr><td>BP 3</td><td>24°56'42.14"N</td><td>79° 9'08.86"E</td></tr><tr><td>BP 4</td><td>24°56'41.37"N</td><td>79° 9'12.80"E</td></tr><tr><td>BP 5</td><td>24°56'40.58"N</td><td>79° 9'13.17"E</td></tr><tr><td>BP 6</td><td>24°56'36.67"N</td><td>79° 9'07.05"E</td></tr><tr><td>BP 7</td><td>24°56'30.99"N</td><td>79° 8'59.46"E</td></tr></table></div> <div>चूंकि पूर्व में लीज क्षेत्र 5.163 हेक्टेयर जिसके कोर्डिनेट्स डीएसआर में सम्मिलित थे किन्तु खनिज साधन विभाग, मध्य प्रदेश शासन के आदेश पत्र क्रमांक 79/574/2021/12-1 दिनांक 09/01/2023 अनुसार लीज क्षेत्र को 4.900 हेक्टेयर किया गया जिस कारण कोर्डिनेट्स स्वीकृत माईनिंग प्लान एवं डीएसआर अनुसार कोर्डिनेट्स मिलान नहीं होता है।</div>	B.P. No.	Latitude	Longitude	BP 1	24°56'33.07"N	79° 9'0.24"E	BP 2	24°56'34.77"N	79° 8'57.39"E	BP 3	24°56'39.47"N	79° 9'2.67"E	BP 4	24°56'42.18"N	79° 9'6.42"E	BP 5	24°56'42.85"N	79° 9'9.70"E	BP 6	24°56'42.38"N	79° 9'12.40"E	BP 7	24°56'41.46"N	79° 9'13.30"E	BP 8	24°56'38.51"N	79° 9'8.71"E	BP 9	24°56'35.73"N	79° 9'4.35"E	B.P. No.	Latitude	Longitude	BP 1	24°56'32.21"N	79° 8'56.89"E	BP 2	24°56'40.81"N	79° 9'05.67"E	BP 3	24°56'42.14"N	79° 9'08.86"E	BP 4	24°56'41.37"N	79° 9'12.80"E	BP 5	24°56'40.58"N	79° 9'13.17"E	BP 6	24°56'36.67"N	79° 9'07.05"E	BP 7	24°56'30.99"N	79° 8'59.46"E
B.P. No.	Latitude	Longitude																																																					
BP 1	24°56'33.07"N	79° 9'0.24"E																																																					
BP 2	24°56'34.77"N	79° 8'57.39"E																																																					
BP 3	24°56'39.47"N	79° 9'2.67"E																																																					
BP 4	24°56'42.18"N	79° 9'6.42"E																																																					
BP 5	24°56'42.85"N	79° 9'9.70"E																																																					
BP 6	24°56'42.38"N	79° 9'12.40"E																																																					
BP 7	24°56'41.46"N	79° 9'13.30"E																																																					
BP 8	24°56'38.51"N	79° 9'8.71"E																																																					
BP 9	24°56'35.73"N	79° 9'4.35"E																																																					
B.P. No.	Latitude	Longitude																																																					
BP 1	24°56'32.21"N	79° 8'56.89"E																																																					
BP 2	24°56'40.81"N	79° 9'05.67"E																																																					
BP 3	24°56'42.14"N	79° 9'08.86"E																																																					
BP 4	24°56'41.37"N	79° 9'12.80"E																																																					
BP 5	24°56'40.58"N	79° 9'13.17"E																																																					
BP 6	24°56'36.67"N	79° 9'07.05"E																																																					
BP 7	24°56'30.99"N	79° 8'59.46"E																																																					
अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर का उल्लेख करें।	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं हैं।																																																						
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट, बी-2																																																						
पर्यावरण सलाहकार या उनके अधिकृत	स्थल का नाम - ग्राम गुड़ापाली, दिनांक 18.05.2024																																																						

**763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 04 जून 2024**

प्रतिनिधि द्वारा स्थल निरीक्षण	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	नहीं
टॉर यदि लागू हो तो विवरण दें।	नहीं
उत्पादन क्षमता एवं प्रतिवर्ष उत्पादन	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पायरोफिलाईट एवं डायसपोर 15,014 मीट्रिक टन /वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पायरोफिलाईट एवं डायसपोर 15,014 मीट्रिक टन /वर्ष है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 11/खनिज/3/6/616 दिनांक 25/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 11/खनिज/3/6/616 दिनांक 25/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है। आवेदित क्षेत्र की पूर्वी एवं दक्षिणी सीमा वन कक्ष क्रमांक पी – 319 की वन सीमा से लगा हुआ है। वन मण्डलाधिकारी टीकमगढ़ के पत्र दिनांक 12/08/2011 अनुसार उक्त क्षेत्र राजस्व क्षेत्र है एवं खदान 24/06/1986 से स्वीकृत है अतः वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आदेश दिनांक 12/12/1996 प्रभावी नहीं होता है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 11/खनिज/3/6/616 दिनांक 25/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत गुड़ापाली जिला टीकमगढ़ के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 11 दिनांक 02/10/2015 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
ग्राम पेसा के अन्तर्गत है या नहीं	नहीं

## 763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 जून 2024

केशर की स्थिति (लीज के बाहर या लीज क्षेत्र के अन्दर )	केशर लीज क्षेत्र में प्रस्तावित नहीं है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	लीज में स्थित पेड़ों की संख्या 50 लीज क्षेत्र में पेड़ 15 काटे जाएंगे। काटे गये पेड़ों के एवज में लगाये जाने वाले पेड़ों की संख्या – 150
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा— आबादी 50 मी., रोड 35 मी. एवं तालाब 340 मी.
	दक्षिण दिशा— नहीं हैं।
	पूर्व दिशा— आबादी 120 मी., रोड 117 मी., पश्चिम दिशा— आबादी 50 मी.,
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.— 27 के सरल क्रमांक— 19 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण में परियोजना प्रस्तावक ने बताया खदान से पश्चिम एवं उत्तर दिशा में 50 मी. पर आबादी है एवं उत्तर दिशा में 35 मी. तथा पूर्व दिशा में 26 मी. पर पक्का रोड है चुकि अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा उत्तर एवं उत्तर पूर्व दिशा से गैर खनन क्षेत्र दिखाते हुये सरफेस मेप एवं प्रोडक्शन मेप खनन योजना में सम्मिलित है अतः उत्तर पश्चिम दिशा में 65 मी. तक गैर खनन क्षेत्र के रूप में छोड़ा गया है चूकि अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है अतः 65 मी. तक गैर खनन क्षेत्र के रूप में छोड़ते हुये 100 मी. मापदण्ड पूर्ण करते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुतीकरण में प्रस्तुत किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता — पायरोफिलाइट एवं डायसपोर 15,014 मीट्रिक टन /वर्ष
2. संशोधित सरफेस मेप का समावेश खनन योजना में भू-प्रवेश के पूर्व कराया जाना सुनिश्चित किया जावे।
3. संशोधित सरफेस मेप जो परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यदि इससे उत्पादन में परिवर्तन होता है, उसको भी संशोधित माईन प्लान में समावेश किया जावे।
4. जिला खनिज अधिकारी मौके पर यह सुनिश्चित करेंगे कि संशोधित सरफेस मेप के अनुरूप खनन कार्य किया जावेगा।
5. जिला खनिज अधिकारी प्रत्येक 06 माह में लीज क्षेत्र का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि संशोधित सरफेस मेप / संशोधित माईन प्लान के अनुरूप खनन कार्य हुआ है।

## 763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 जून 2024

6. यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित जिला कलेक्टर के संज्ञान में लायेंगे तथा म.प्र. गौण खनिज नियम के अनुरूप वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे तथा सिया को अवगत करावेंगे ।
7. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 22,29,500/- एवं रिकरिंग राशि रु. 4,18,500/- प्रति वर्ष ।

Sr. No	Particular	Capital Cost in Rupees	Recurring Cost in Rupees
1.	Water Sprinkling through Water Tanker for both haul road and transportation road, all the incoming and outgoing trucks (Length Approx. 100m & width Approx. 5m)	Nil	20,000
2.	Approach Road Maintenance@Rs.500/- (Length Approx. 100m & width Approx. 6m)	50,000	10,000
3.	Cost of water of 5000ltr.@0.15 rupees/litter for 300 days), Regular Uses	Nil	2,25,000
4.	Plantation @ Rs. 200/plant, Barrier zone & village Total plantation in Barrier zone area is 3950 x Rs.200	9,40,000	50,000
	Plantation @ Rs. 500/plant with tree guards Total plantation in approach road is 100 x Rs.500		
	Plants distribution @ Rs. 50/plant. Total plant distribution (2000 X Rs. 50)		
5.	Channel Fencing(along lease boundary) including cemented boundary pillar 1094m@500/-mt	5,47,000	5000
6.	Garland Drain (1094m long, 2m depth and 1.5m wide) And 2 Settling tank preparation in SS pattern (10m wide, 2m depth & 02m long)	1,00,000	10,000
7.	Monitoring (AAQM & Water twice in a year)	Nil	40,000
8.	Drinking Water Facility for labour and staff (one water cooler/25 labour @ 10,000/cooler) & Rs.2000/year for maintenance.	10,000	2,000
9.	Separate toilets for Male and Female @ 15000*2 and Rs.3000/-year for maintenance	30,000	3000
10.	Occupational Medical Check-up of workers@500*2*15	Nil	15,000
11.	PPES – 15workers @ 1500 per person	22,500	5,000
12.	First Aid & Fire fighting equipments @ 25000*2 & Rs.2000/year for maintenance	50,000	2,000

**763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 04 जून 2024**

13.	Shelter rooms for labours (20*20) = 400 square feet @ Rs.800/sqr. ft	3,20,000	10,000
14	Two dustbins & solid waste management's @Rs.5000/systemand Rs.2000/year maintenance.	10,000	2,000
15	Half Yearly PUC certification for 2trucks @ 1000/truck.	Nil	2000
16	Grazing land development Rs.@5000 for mines upto 5.00 ha and Rs.10,000 for mines >5.00 ha.(grass-Dicanthium,Punia,Siran,Themda etc palatable grass)	50,000	Nil
17	Miscellaneous Expenses such as for 02 solar lights @ Rs.8000/light,website development and maintenance @ Rs.5,000/mine,Web Camera 04(@3500/camera,Display board at mine entrance @2000/board etc. (website will be updated every three months)	50,000	5000
18	VT Trainings for 25workers(minimum @Rs.500/labour)	Nil	12,500
19	For Reduction of Carbon Emission – LED bulb distribution	50,000	Nil
	<b>Total</b>	<b>22,29,500</b>	<b>4,18,500</b>

सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में)
स्वीकृत लीज क्षेत्र के समीपस्थ वन्य प्राणियों के रहवास विकास एवं सौसर निर्माण हेतु वनमण्डलाधिकारी, वनमण्डल जिला टीकमगढ़ को उक्त राशि प्रदान की जायेगी	1,50,000 /—

निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 6050 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं	वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, चिरोल, सिस्सू, करधई, करंज, सीताफल, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2000
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, अमलतास,	100



## 763वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 04 जून 2024

	ऊँचाई 1.5 मीटर ट्री-गार्ड के साथ)	पुत्रनजीवा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	
3	गुड़ापाली ग्रामवासियों में वितरण हेतु	मुनगा, आंवला, अमरुद । इमली, आम, कुसुम, नीबू, कटहल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	2000
4	गैर खनन क्षेत्र में	नीम, चिरोल, सिस्सू, करधई, करंज, सीताफल, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1950

उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जाये एवं लीज अवधि तक उन पौधों का रख-रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन अवधि तक किया जाये । गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड एवं अन्य उपलब्ध बीज रोपण हेतु उपर्युक्त स्थल जैसे झाड़ियों के बीच-बीच में आदि पर स्थानीय बीज बोवाई सीधे या सीडबाल बनाकर किया जावे तथा उनका संरक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गाँव का नाम, लाभांशित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।

**अनुशंसा—** प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है ।

**14. Case No. P2/909/24 Shri NARAYAN GATTANI, Owner, Purushottam Das Gattani, 246, Ghanta Ghar Road, In front of Shree Niwas Super Bazar, Katni (M.P.) Prior Environment Clearance for Dolomite Mine in an area of 2.845 ha. (Dolomite-50,000 TPA & Phyllite-12,500 TPA cum per annum) (Khasra No. 110 part) Village- Amradand, Tehsil- Badwara, District-Katni (M.P.) B-2 SIA/MP/MIN/462158/2024**

प्रस्तावित खदान का पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए ईआईए का है, जिसमें आज दिनांक 04/06/2024 को परियोजना प्रस्तावक Shri NARAYAN GATTANI, Owner एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स किएटिव इंवायो सर्विसेस, भोपाल (म.प्र.) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

PP submitted that :-

- The subject lease was granted to shri Purshottamdas Gattani in year 1985 , and after death of Shri Purshottamdas Gattani in year 2012 , the lease was transferred to his son shri Narayandas Gattani in year 2016 and after proposed for Dolomite mining . The proposed project is an opencast and fully mechanized

## 764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 05 जून 2024

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June ) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

## 764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

### दिनांक 05 जून 2024

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi ) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
  - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
  - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland



## 764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

### दिनांक 05 जून 2024

and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

#### **Annexure- 'B'**

##### **Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\***

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4<sup>th</sup> or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.